

सच कहने की ताकत

साप्ताहिक समाचार पत्र

जालंधर ब्रीज

साप्ताहिक मौसम		
दिन	अधिकतम	न्यूनतम
शुक्रवार	26°	16°
शनिवार	29°	18°
रविवार	30°	17°
सोमवार	30°	18°
मंगलवार	29°	17°
बुधवार	31°	19°
वीरवार	27°	17°

*आंकड़े आईएमडी के अनुसार

www.jalandharbreeze.com • JALANDHAR BREEZE • WEEKLY • YEAR-8 • 06 NOVEMBER TO 12 NOVEMBER 2026 • VOLUME 16 • PAGE-4 • RATE-3.00/- • RNI NO.: PUNHIN/2019/77863

Lic No : 933/ALC-4/LA/FN:1184

INNOVATIVE TECHNO INSTITUTE

CONSULTING DESIGN TRAINING

ISO CERTIFIED 2015 COMPANY

CONFUSED ABOUT CAREER!

Unsure of what to do after 10th/12th/Graduation?

Whether to Study in India or Abroad?



What should I do after 10th-Science, Commerce or Arts?

Should I consider Computer or Mechanical Engineering?

What is better for me - MBA in Marketing or MBA in Finance?

Should I pursue Chartered Accountancy or Law after 12th?

Do I have the aptitude for Architecture and Designing?

Get Career Guidance from our Expert Career Counseling Team Free of Cost

E-mail : hr@innovativetechin.com • Website : www.innovativetechin.com • FB/Innovativetechin • Contact :9317776662, 9317776663

REGIONAL OFFICE : S.C.O No. 10 Gopal Nagar, Near Batra Palace, Jal. HEAD OFFICE : S.C.O No. 21-22, Kuldip Lal Complex, Highway Plaza GT Road, Adjoining Lovely Professional University. Phagwara.

*T&C apply

भारत ने जापान को हराकर छठी बार जीता खिताब

सीएम मान ने कहा- पंजाब 2030 में हॉकी विश्व कप की मेजबानी के लिए पूरी तरह तैयार

• **जालंधर ब्रीज.** मोहाली





साभार : हॉकी इंडिया

पंजाब ने एशियन चैंपियंस ट्रॉफी 2026 का सफल आयोजन कर अपने गौरवशाली खेल इतिहास में एक नया अध्याय जोड़ दिया है। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि पंजाब अब वर्ष 2030 में प्रतिष्ठित हॉकी विश्व कप की मेजबानी करने के लिए पूरी तरह तैयार है। अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट के सफल आयोजन पर पंजाब के लोगों को बधाई देते हुए मुख्यमंत्री ने राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया के साथ कहा कि हॉकी के साथ पंजाब का अटूट रिश्ता, राज्य के 77 हॉकी ओलंपियनों और 48 ओलंपिक पदक विजेताओं की गौरवशाली विरासत तथा तेजी से मजबूत हो रहा खेल बुनियादी ढांचा पंजाब को बड़े अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों के लिए एक स्वाभाविक केंद्र बनाता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में छह नए हॉकी एस्ट्रोटर्फ मैदानों का निर्माण पूरा हो चुका है, जबकि दो अन्य मैदानों का निर्माण कार्य जारी है। इसके अलावा, खेलों के लिए विशेष रूप से 1,744 करोड़ रुपये का बजट निर्धारित किया गया है। उन्होंने कहा कि सरकार पंजाब की खेल विरासत को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। इस ऐतिहासिक आयोजन का समापन उस समय रोमांचक हो गया, जब भारत ने जापान को 4-1 से हराकर एशियन चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब बरकरार रखा। एशियाई खेलों की स्वर्ण पदक विजेता भारतीय टीम इससे पहले 2011, 2016, 2018, 2023 और 2024 में भी यह टूर्नामेंट जीत चुकी है। जापान ने तीसरे ही मिनट में काजुमासा मात्सुमोतो के मैदानी गोल की मदद से भारतीय टीम को चौंका दिया। इसके बाद भारत ने लय हासिल की। शिलानंद लाकड़ा (42वें मिनट) ने पेनल्टी कॉर्नर से, दिलप्रीत सिंह (48वें मिनट) ने मैदानी गोल और जुगराज ने 53वें मिनट में 'सेट-पीस' के जरिए गोल किए। विवेक सागर प्रसाद ने 54वें मिनट में गोल करके घरेलू टीम के लिए स्कोर 4-1 कर दिया। मैच खत्म होने के ठीक 12 सेकेंड पहले जापान को अपना चौथा पेनल्टी कॉर्नर मिला, लेकिन कप्तान फुजीशिमा का शॉट बाहर चला गया। इस तरह भारत टूर्नामेंट में अजेय बना रहा। मोहाली के खचाखच भरे स्टेडियम में गतका और भांगड़ा की शानदार प्रस्तुतियों के माध्यम से पंजाब की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत की झलक भी देखने को मिली।

मतदाता सूची एसआईआर रद्द करने की मांग, कोच्ची में 7 नवंबर को प्रदर्शन करेगी सीजेपी

नई दिल्ली. कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने गुरुवार को घोषणा की कि वह 7 नवंबर को केरल के कोच्चि में 'स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन' (एसआईआर) के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करेगी। पार्टी ने मतदाता सूची संशोधन प्रक्रिया को रद्द करने की अपनी मांग को फिर से दोहराया है। सीजेपी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में बताया कि जंतर-मंतर एट कोच्चि नाम का यह विरोध प्रदर्शन राजेंद्र मैदान में शाम 4 बजे से आयोजित किया जाएगा। राजेंद्र मैदान, कोच्चि, पोस्ट में लिखा था। सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दिपके इस प्रदर्शन में शामिल होंगे। पार्टी के दक्षिण ज़ोन प्रमुख विजय मल्लंगी और राष्ट्रीय सचिव आफ़रीन नवाज़ भी 7 नवंबर को कोच्चि में एसआईआर-विरोधी प्रदर्शन में हिस्सा लेंगी। कोच्चि में हुआ यह विरोध प्रदर्शन सीजेपी का पहला बड़ा कदम है। इससे पहले दिल्ली के जंतर-मंतर पर मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार और मतदाता सूची (इलेक्टोरल रोल) के एसआईआर के खिलाफ प्रदर्शन करने की कोशिश के दौरान सीजेपी के नेताओं को दिल्ली पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया था।

पिछले महीने, आशुतोष रंका और सौरव दास समेत सीजेपी के अन्य नेताओं के साथ मिलकर, दिपके को भी दिल्ली पुलिस ने हिरासत में ले लिया था। वे जंतर-मंतर पर बिना अनुमति के ज्ञानेश कुमार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करने की कोशिश कर रहे थे। इसके बाद सरकार ने जंतर-मंतर को विरोध-प्रदर्शन स्थल के रूप में अधिसूचित (नोटिफाई) करने का दर्जा वापस ले लिया। हालाँकि, दास और रंका ने इस फैसले के विरोध में, जंतर-मंतर पहुँचकर राष्ट्रीय ध्वज फहराया। उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया और वे एक सप्ताह तक जेल में रहे।

पटनीटॉप होटल भूमि घोटाले पर ईडी का बड़ा एक्शन, 10.66 करोड़ की संपत्ति कुर्क

• **जालंधर ब्रीज.** नई दिल्ली/जम्मू



प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) जम्मू उप-आंचलिक कार्यालय ने पटनीटॉप होटल भूमि अतिक्रमण मामले में धन शोधान निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के प्रावधानों के अंतर्गत लगभग 10.66 करोड़ रुपये मूल्य की अचल संपतियों को अनंतिम रूप से कुर्क किया है। कुर्क की गई संपतियों में पटनीटॉप, जिला उधमपुर, जम्मू और कश्मीर स्थित होटल हॉलिडे इन, होटल ब्रॉडवे, होटल हॉलीवुड और होटल माउंटव्यू की भूमि और भवन शामिल हैं।

इंडी की जाँच सीबीआई, एसीबी, जम्मू द्वारा पटनीटॉप क्षेत्र के विभिन्न होटल/गेस्ट हाऊसों/रिसोर्ट्स/कॉटेजों/आवासों के मालिकों/निदेशकों और पटनीटॉप विकास प्राधिकरण (पीडीए) के अधिकारियों के विरुद्ध दर्ज प्रथम सूचना रिपोर्ट (एफआईआर) के आधार पर आरंभ की गई थी। इसमें आरोप था कि ऐसे होटलों/गेस्ट हाउसों/रिसॉर्ट्स ने आवासीय भवनों का व्यावसायिक उपयोग किया, स्वीकृत सीमाओं से अधिक निर्माण किया तथा प्रतिबंधित क्षेत्रों (घने वनों, कृषि क्षेत्रों, आवासीय क्षेत्रों आदि) में व्यवसायों का संचालन किया, जहाँ पीडीए अधिकारियों द्वारा अनुपालन संबंधी चूकों की अनदेखी की गई। सीबीआई ने 2023 में आठ होटल मालिकों (6 होटलों से जुड़े) और कई पीडीए अधिकारियों के विरुद्ध जम्मू और कश्मीर प्रष्टाचार निवारण अधिनियम, रणबीर दंड संहिता, पर्यटक व्यापार पंजीकरण अधिनियम, 1978 तथा जम्मू और कश्मीर वन अधिनियम, 1987 के अंतर्गत छह आरोप पत्र दाखिल किए हैं। ईडी की जाँच में सामने आया है कि होटल हॉलिडे इन ने स्वीकृत भवन अनुमति होने के बावजूद स्वीकृत योजना से परे 7,562.74 वर्ग फुट का अनधिकृत निर्माण किया था। इसके अतिरिक होटल ब्रॉडवे, होटल हॉलीवुड और होटल माउंटव्यू को होटल के रूप में संचालन की आवश्यक अनुमति के बिना व्यावसायिक रूप से चलाया जा रहा था। होटल भवन, अनधिकृत निर्माण, उससे संबद्ध भूमि तथा ऐसे अनधिकृत व्यावसायिक दोहन से अर्जित आय के समतुल्य मूल्य की चिह्नित संपत्ति को अपराध की आय के रूप में अंतिम रूप से कुर्क किया गया है।

इससे पूर्व, ईडी ने इसी मामले में वर्ष 2025 में दो अंतिम कुर्की आदेश जारी कर 30.72 करोड़ रुपये मूल्य की संपतियां कुर्क की थी। वर्तमान कुर्की के साथ इस मामले में अब तक अनंतिम रूप से कुर्क की गई संपतियों का कुल मूल्य लगभग 41.38 करोड़ रुपये हो गया है। आगे की जाँच जारी है।

ईडी रेड से भाजपा ने मुझे पार्टी में शामिल होने के लिए डराने की कोशिश की : डॉ. अमनदीप कौर अरोड़ा

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़



मोगा से आम आदमी पार्टी की विधायक और आने वाले चुनावों की उम्मीदवार डॉ. अमनदीप कौर अरोड़ा ने केंद्र की भाजपा सरकार और केंद्रीय एजेंसी ईडी पर तीखा राजनीतिक हमला करते हुए 42 घंटे की रेड को भाजपा की गंदी राजनीति और चुनाव से पहले की घबराहट का सबूत बताया है। डॉ. अरोड़ा ने कहा कि जैसे भाजपा हर राज्य में चुनाव के दौरान ईडी और सीबीआई जैसी एजेंसियों का गलत इस्तेमाल करके विपक्ष को डराने की कोशिश करती है, वैसे ही अब पंजाब में भी वही घटिया तरीका अपनाया जा रहा है। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में डॉ. अमनदीप कौर अरोड़ा ने कहा कि करीब 40-42 घंटे चली इस रेड के दौरान उनके छोटे बच्चों और परिवार को घर के अंदर रखा गया था। लेकिन ईडी की लगातार तलाशी के बाद भी उनके किसी भी घर या अस्पताल से एक भी सबूत नहीं मिला और एजेंसियों को खाली हाथ लौटना पड़ा। ईडी ने सरकार के सत्ता में आने से पहले के मामलों की पूरी जांच की, जैसे बिपन उंकारा और राकेश सितारा जैसे लोगों की खरीद-फरोख्त, लेकिन मनी लॉन्ड्रिंग या गड़बड़ी का कोई सबूत नहीं मिला। दोपहर 12 बजे तक तलाशी पूरी हो गई थी, लेकिन ऊपर से दबाव के कारण जानबूझकर समय बर्बाद किया गया।

रेड की आड़ में दिए गए लालच का पर्दाफाश करते हुए डॉ. अरोड़ा ने बताया कि रेड के दौरान ईडी की तरफ से उन पर लगातार भाजपा में शामिल होने का दबाव बनाया गया और लालच दिया गया कि तुम्हें मंत्री पद दिया जाएगा, तुम सोच लो। लेकिन उन्होंने भाजपा के इस सस्ते ऑफर को ठुकरा दिया और साफ कर दिया कि आम आदमी पार्टी उनकी मदर पार्टी है और वह अरविंद केजरीवाल और मुख्यमंत्री सरदार भगवंत सिंह मान के सच्चे और ईमानदार सिपाही हैं। उन्हें पद, टिकट या पोजीशन का लालच नहीं है और जब तक उनकी सांस चलेगी, वह पार्टी के साथ चट्टान की तरह खड़े रहेंगे। डॉ. अमनदीप कौर अरोड़ा ने भाजपा को चुनौती देते हुए कहा कि हम चोर नहीं हैं और ऐसी खोखली धमकियों से डरने वाले नहीं हैं, हम ऐसी रेड का सामना करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

मुख्य सचिव को डीए मामले में राहत, कार्यवाही पर रोक

चंडीगढ़. पंजाब के सरकारी कर्मचारियों और पेंशनर्स के लंबित महंगाई भत्ते (डीए) और महंगाई राहत (डीआर) के भुगतान से जुड़े मामले में राज्य के मुख्य सचिव केएपी सिन्हा को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। सुप्रीम कोर्ट ने पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट की ओर से शुरू की गई आपराधिक अवमानना यानी क्रिमिनल कंटेप्ट ऑफ कोर्ट की कार्यवाही पर अंतरिम रोक लगा दी है।

जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस आर. महादेवन की बेंच ने गुरुवार को इस मामले में आदेश जारी कर दिया है। हाई कोर्ट ने राज्य सरकार की ओर से अपने आदेश का पालन नहीं किए जाने पर मुख्य सचिव को व्यक्तिगत रूप से पेश होने के निर्देश दिए थे।

सुप्रीम कोर्ट ने फिलहाल अवमानना मामले में आगे की कार्रवाई रोक दी है। हालांकि, कोर्ट ने स्पष्ट किया कि मामले से जुड़ी अन्य कार्यवाही आगे भी जारी रह सकती है।

अमृतसर में दो उज़ी बंदूकों सहित 8 हथियार, 34 किलो हेरोइन, दो हैंड ग्रेनेड बरामद; 16 व्यक्ति काबू

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़/अमृतसर



अमृतसर देहाती पुलिस ने अवैध हथियार, विस्फोटक और नशीले पदार्थ सप्लाई करने वाले कई नेटवर्कों का पर्दाफाश किया है और गोलीबारी की तीन घटनाओं को भी सुलझाते हुए पुलिस ने 16 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है। इन कार्रवाइयों के दौरान मुलजिमों से 34 किलो हेरोइन, दो हैंड ग्रेनेड और आठ हथियार जिनमें दो अति-आधुनिक 9 एमएम 'उज़ी' सब-मशीन गनें शामिल हैं, बरामद किए हैं। यह जानकारी पंजाब के डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस (डीजीपी) गौरव यादव ने आज यहां दी। 'उज़ी' गनों के अलावा पुलिस टीमों ने मुलजिमों से एक 12-बोर बंदूक, पांच अवैध पिस्तौलों सहित 26 जिंदा कारतूस भी बरामद किए हैं।

नशीले पदार्थ और हथियार तस्करी मामलों में गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की पहचान नवसुमित सिंह उर्फ मनप्रीत सिंह और बलविंदर सिंह उर्फ दोहानी; करनदीप सिंह उर्फ करन और राज कुमार उर्फ संजू; गुरबख्श सिंह और बिक्रमजीत सिंह; सूरज सिंह, राजन और गुरभेज सिंह उर्फ वीरू और सुखमनप्रीत सिंह के रूप में हुई है। दूसरी ओर, गोलीबारी की तीन घटनाओं के संबंध में पकड़े गए व्यक्तियों में हरकीरत सिंह उर्फ हकी और गुरदित्ता सिंह (झीता कलां कत्ल केस); जोधबीर सिंह उर्फ जोधा, उसकी पत्नी जसकिरन कौर और उनका नाबालिग पुत्र (ब्यास गोलीबारी केस) और साहिबप्रीत सिंह उर्फ साहब (मेहता रेस्टोरेंट में फिरौती के लिए गोलीबारी मामला) शामिल हैं। डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि मुलजिम कथित तौर पर विदेशी हैंडलरों की मदद से हथियारों की खेप प्राप्त करके आगे सप्लाई करते थे।

अंबाला में 1857 में आजादी की पहली लड़ाई के शहीद स्मारक के उद्घाटन मौके अमित शाह बोले-

मोदी के नेतृत्व में राज्य के लिए परिवर्तन लाने का काम किया

• **जालंधर ब्रीज.** नई दिल्ली



केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने वीरवार को हरियाणा के अंबाला में 1857 में आजादी की पहली लड़ाई के शहीद स्मारक का उद्घाटन किया। इस अवसर पर हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और केन्द्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। इस अवसर पर अपने संबोधन में केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि आज इसी भूमि पर 10 मई, 1857 को क्रांतिवीरों ने अंग्रेज़ी शासन के खिलाफ सशस्त्र क्रांति का बिगुल फूंका था और यहीं से वो क्रांति आग बनकर फैल गई थी और पूरी दुनिया इसे देखकर आश्चर्यचकित रह गई थी। 1857 के स्वतंत्रता संग्राम को अंग्रेज-प्रेरित वामपंथी विचारधारा वाले इतिहासकारों ने विद्रोह का नाम दिया। यह अंग्रेज़ों के लिए विद्रोह हो सकता है लेकिन वीर सावरकर ने कहा था कि 1857 की क्रांति भारत माता की संतानों के लिए विद्रोह नहीं बल्कि स्वतंत्रता संग्राम है। वर्ष 1857 की क्रांति ने ही हिमालय से लेकर कन्याकुमारी और गंगासागर से लेकर सोमनाथ तक फैले इस विराट देश के हर नागरिक के मन में आज़ादी की लौ जगाने का काम किया था।

अमित शाह ने कहा कि 1857 से लेकर 1947 तक का 90 वर्षों के इस महान संघर्ष में अनगिनत शहीदों ने अपना सर्वस्व बलिदान किया तब जाकर हमें वर्तमान भारत और भारत माता को देखने का सौभाग्य मिला है। उन शहीदों के बलिदान के आधार पर हम प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में विकसित भारत की कल्पना कर सकते हैं। उन शहीदों के बलिदान की नींव पर 80 साल से लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं को मजबूत करते हुए हम पूरी दुनिया के सामने सम्मान के साथ खड़े हैं। वर्ष 1857 की क्रांति के वो सेनानी नाना साहेब पेशवा, महारानी लक्ष्मीबाई, तात्या टोपे, बेगम हजरत महाल, सहित अनेक योद्धाओं ने अपना पराक्रम दिखाया और सर्वोच्च बलिदान दिया। केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि कोई भी देश तब तक अपनी स्वतंत्रता की कीमत नहीं समझता है, जब तक उसके लिए खून बहाने वाले शहीदों का महिमामंडन नहीं करता है। वो देश कभी प्रगति नहीं कर सकता जो इतिहास के पन्नों को रक्त से बदलकर स्वर्णिम अक्षरों से अंकित नहीं करता है। आज अंबाला में बना ये शहीद स्मारक हमारी आने वाली युवा पीढ़ी, किशोरों के लिए देशभक्ति की अकूत प्रेरणा का स्थान बनने वाला है।

अमित शाह ने कहा कि कभी इसी पवित्र भूमि पर सरस्वती बहा करती थी, और यहीं से गंगा-यमुना के दोआब तक फैले इस क्षेत्र में वेदों और उपनिषदों की रचना हुई। इसी भूमि पर भगवान श्री कृष्ण ने गीता सुनाई। इसी वीर भूमि पर महाराजा अग्रसेन ने एडमिनिस्ट्रेशन का भारतीय मॉडल दिया। इसी वीर भूमि पर राजा नाहर सिंह और राव तुलाराम ने आजादी की लड़ाई लड़ी और उसी परंपरा को जारी रखते हुए आज सेना में हरियाणा जैसे छोटे से प्रदेश से सबसे ज्यादा जवान जाते हैं।

भाजपा उम्मीदवार हरदीप सिंह पुरी निर्विरोध राज्यसभा पहुंचे

नई दिल्ली. केंद्रीय मंत्री और भाजपा उम्मीदवार हरदीप सिंह पुरी मध्य प्रदेश से राज्यसभा के लिए निर्विरोध चुने गए हैं। दो अन्य उम्मीदवारों के नामांकन पत्र खारिज हो जाने के बाद पुरी का चुना जाना लगभग तय हो गया था, क्योंकि मैदान में केवल वही एकमात्र उम्मीदवार बचे थे। नामांकन वापस लेने की अंतिम तिथि, गुरुवार 5 नवंबर को रिटर्निंग ऑफिसर ने उन्हें औपचारिक रूप से निर्वाचित घोषित कर दिया। राज्य पार्टी अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल सहित भाजपा के कई नेता मध्य प्रदेश विधानसभा पहुंचे। पुरी के चुनाव की घोषणा होने के बाद, खंडेलवाल ने उनका प्रमाण पत्र प्राप्त किया। केंद्रीय मंत्री एल. मुरुगन के इस्तीफे के बाद यह सीट खाली हो गई थी। मंगलवार को, जो कि जांच का आखिरी दिन था, निर्दलीय उम्मीदवार कांटे सयान्ना और कांग्रेस समर्थित राजकुमार लोहानी के नामांकन पत्र खारिज कर दिए गए। इन दोनों उम्मीदवारों के दौड़ से बाहर हो जाने के बाद, पुरी अकेले उम्मीदवार रह गए। पुरी ने शनिवार, 31 अक्टूबर को मुख्यमंत्री मोहन यादव, खंडेलवाल और भाजपा के कई अन्य नेताओं की मौजूदगी में अपना नामांकन दाखिल किया था। दो निर्दलीय उम्मीदवारों और कांग्रेस नेता हेमंत कटारे ने पुरी के नामांकन पत्रों पर आपत्तियां जताई थीं। उन्होंने दावा किया कि उनके 'फॉर्म 26' के साथ जमा किया गया शपथ पत्र अमान्य और अधूरा था।



माइक्रो-केशन से मिरर ट्रिपिंग तक, जेन-जी के ये ट्रैवल ट्रेंड्स हैं सबसे हटके

Travelling घूमना हर किसी को पसंद होता है लेकिन जेन-जी ने नए ट्रैवल ट्रेंड्स खोज निकाले हैं। अब तक लोग सिर्फ घूमने जाते हैं लेकिन नई पीढ़ी घूमने के साथ सुकून, आराम के लिए भी ट्रिप प्लान करती हैं। चलिए इन ट्रेंड्स के बारे में विस्तार से बताते हैं।

• **जालंधर ब्रीज .** फीचर

घूमना हर पीढ़ी को पसंद है, भले ही अंदाज थोड़ा बदल गया हो। जेन जी पुरानी जेनरेशन से बिल्कुल अलग हैं, फिर चाहे वह रिलेशनशिप के मामले में हो या स्टाइल। इतना ही नहीं जेन जी के ट्रैवल ट्रेंड्स भी काफी अलग हैं। वह सिर्फ घूमने ही नहीं जाते बल्कि आराम करने के लिए भी ट्रिप प्लान करते हैं। रूम रॉटिंग, मिरर ट्रिपिंग जैसे नए ट्रैवल वर्ड्स शायद ही अब तक आपने सुने होंगे लेकिन ये सभी जेन जी के नए ट्रैवल ट्रेंड्स बन चुके हैं। इन सभी का अलग-अलग मतलब हैं और ऐसे कई नए शब्द ट्रैवल डिक्शनरी में जुड़ चुके हैं। चलिए आपको Gen Z के इन ट्रेंड्स के बारे में बताते हैं।

मिरर ट्रिपिंग क्या है

जेन जी का नया ट्रैवल ट्रेंड है मिरर ट्रिपिंग, जिसमें लोग अपनी पर्सनैलिटी और लाइफस्टाइल के हिसाब से ट्रिप प्लान करते हैं। मिरर ट्रिपिंग को एक ऐसे ट्रैवल कॉन्सेप्ट के रूप में समझ सकते हैं, जिसमें सफर का मकसद सिर्फ नई जगहों को घूमना या खूबसूरत तस्वीरें लेना नहीं, बल्कि खुद को समझना और अपनी जिंदगी के बारे में सोचना है। आप रोजाना की भागदौड़ के कारण खुद को समय नहीं दे पाते हैं, जो इस ट्रिप में दे सकेंगे।

रूम रॉटिंग भी है नया

रूम रॉटिंग एक ऐसा ट्रेंड है, जिसमें लोग अपना ज्यादातर समय अपने कमरे में बिताना पसंद करते हैं। इसमें बिस्तर पर लेटे रहना, फिल्में या वेब सीरीज देखना, सोशल मीडिया स्क्रॉल करना, गेम खेलना या बस आराम करना शामिल हो सकता है। जेन जी के बीच इस्तेमाल होने वाला यह टर्म अक्सर लगातार व्यस्त रहने और हर समय प्रोडक्टिव दिखने के दबाव से ब्रेक लेने के लिए है। इसमें लोग अपने काम से ब्रेक लेकर किसी सुकून भरी जगह पर जाकर आराम करते हैं।



ड्राय ट्रिपिंग का मतलब क्या है

ड्राय ट्रिपिंग जेन जी का ऐसा ट्रैवल ट्रेंड है, जिसमें लोग बार, क्लब और लगातार पार्टियों वाली छुट्टियों की जगह सुकूनभरे और आरामदायक ट्रिप पर जाना पसंद करते हैं। इस ट्रिप में शोर-शराबे से दूर, भागदौड़ की जगह शांत माहौल, आराम करने के लिए लोग जाते हैं।

माइक्रो-केशन क्या ट्रेंड है

माइक्रो-केशन प्लान करते हुए लंबी छुट्टियां नहीं लेनी पड़ती हैं बल्कि 24 या फिर 48 घंटे की छोटी सी ट्रिप प्लान की जाती है। यह ट्रैवल का ऐसा तरीका है, जिसमें लोग लंबी छुट्टियों का इंतजार करने के बजाय एक या दो दिन के लिए घूमने निकल जाते हैं। इसका मकसद कम समय और बजट में डेली रूटीन से ब्रेक लेना है और नई जगह को एक्सप्लोर करना है। जैसे लोग वीकेंड पर प्लान बना लेते हैं, उसे माइक्रो केशन कहा जाता है।

व्हाय-केशन के बारे में भी जानें

जेन जी का एक नया ट्रैवल ट्रेंड है व्हाय-केशन, जिसमें लोग किसी खास जगह को देखकर ट्रिप प्लान नहीं करते हैं। इसमें लोग सिर्फ घूमने-फिरने के बजाय यह तय करते हैं कि वे यात्रा क्यों करना चाहते हैं और इससे क्या हासिल करना चाहते हैं। इसका मतलब होता है कि आप फूड कल्चर एन्जॉय करना चाहते हैं या फिर बीच पर जाना है या पहाड़ों पर घूमना है।

LIFESTYLE

किसी के घर मेहमान बनकर जाएं तो ये काम बिल्कुल न करें, परेशान हो जाएगा होस्ट

किसी के घर जाना सिर्फ अच्छा खाना खाने या बातें करने तक सीमित नहीं है। एक अच्छे गेस्ट की कुछ छोटी आदतें होती हैं, जो होस्ट को भी अच्छा महसूस कराती हैं। जानें वो बातें जो समझदार गेस्ट कभी नहीं करते।



• **जालंधर ब्रीज .** फीचर

किसी दोस्त, रिश्तेदार या करीबी के घर डिनर पर जाना हो, तो हम आमतौर पर यही सोचते हैं कि क्या पहनना है, क्या बात करनी है और कब निकलना है। लेकिन एक अच्छा गेस्ट बनने के लिए सिर्फ इतना काफी नहीं है। आपके छोटे-छोटे तौर-तरीके भी सामने वाले पर अच्छा या खराब असर डाल सकते हैं। जैसे बिना बताए जल्दी पहुंच जाना, खाली हाथ पहुंचना या होस्ट के काम में बिल्कुल हाथ न बंटाना। कई बार हमें ये बातें मामूली लगती हैं, लेकिन होस्ट के लिए ये काफी मायने रखती हैं। इसलिए अगली बार किसी के घर जाएं, तो इन छोटी बातों का ध्यान रखें।

तय समय से पहले न पहुंचें

अगर होस्ट ने आपको शाम 7 बजे बुलाया है, तो कोशिश करें कि उसी समय के आसपास पहुंचें। बिना पूछे बहुत पहले पहुंच जाना होस्ट के लिए परेशानी बन सकता है। हो सकता है उस समय खाना बन रहा हो, घर की आखिरी तैयारी चल रही हो या होस्ट खुद अभी तैयार न हुआ हो। इसलिए अगर किसी खास वजह से आपको जल्दी पहुंचना है, तो पहले मैसेज या फोन करके पूछ लेना बेहतर है।

खाली हाथ न पहुंचें

किसी के घर बुलाया गया है, तो साथ में कुछ छोटा सा ले जाना अच्छा जेस्चर होता है। इसके लिए कोई महंगी चीज खरीदने की जरूरत नहीं है। आप फूल, चॉकलेट, मिठाई, डेजर्ट या होस्ट की पसंद की कोई छोटी चीज ले जा सकते हैं। अगर घर में बच्चे हैं, तो उनके लिए भी कुछ ले जाना अच्छा लग सकता है। असल मायने चीज की कीमत के नहीं, बल्कि इस बात के हैं कि आपने होस्ट के बारे में सोचा।

सारा काम होस्ट पर न छोड़ें

पार्टी में पहुंचकर सिर्फ बैठ जाना और हर काम के लिए होस्ट का इंतजार करना अच्छी आदत नहीं है। अगर होस्ट खाना लगा रहा है या प्लेट्स इधर-उधर कर रहा है, तो आप भी मदद की पेशकश कर सकते हैं। प्लेट्स लगाने, खाना सर्व करने या खाने के बाद प्लेट्स हटाने में हाथ बंटा दें। होस्ट मना कर दे तो अलग बात है, लेकिन एक बार मदद के लिए पूछना ही काफी अच्छा लगता है।

सबसे आखिर तक बैठकर न रहें

पार्टी अच्छी चल रही हो तो बातचीत में समय का पता नहीं चलता। लेकिन एक समझदार गेस्ट यह भी समझता है कि कब महफिल धीरे-धीरे खत्म होने लगी है। अगर लोग एक-एक करके जाने लगे हैं या होस्ट सफाई और बाकी काम में लगने लगा है, तो इसे निकलने का सही समय समझें। हर बार सबसे आखिर में घर से निकलना जरूरी नहीं है।

बिना थैंक्यू कहे न निकलें

घर से निकलते समय होस्ट को थैंक्यू कहना छोटी बात लग सकती है, लेकिन इसका असर अच्छा होता है। आपने खाना पसंद किया, साथ में अच्छा समय बिताया या होस्ट ने आपके लिए खास तैयारी की, तो जाते समय इसका जिक्र जरूर करें। एक साधारण सा 'बहुत अच्छा लगा' या 'खाने के लिए थैंक्यू' भी होस्ट को अच्छा महसूस करा सकता है। आखिर किसी को अपने घर बुलाने के पीछे उसका समय और मेहनत भी लगी होती है।

एक छोटी सी बात याद रखें

अच्छा गेस्ट बनने के लिए कोई लंबी-चौड़ी एटिकेट लिस्ट याद रखने की जरूरत नहीं है। बस खुद को होस्ट की जगह रखकर सोचें- अगर आपके घर कोई आए, तो आप उससे कैसी उम्मीद करेंगे? यही छोटी सी सोच आपको सही समय पर पहुंचने, मदद करने और जाते वक्त थैंक्यू कहने का तरीका खुद बता देगी।

ताजी मेथी में लहसुन डालकर बनाएं टेस्टी सब्जी, रोटी के साथ बच्चे भी मांग कर खाएंगे

सर्दियां आते ही हरी पत्तेदार सब्जियां आने लगती हैं। मेथी के पत्ते इन दिनों फ्रेश आ रहे हैं और अगर आप इससे कुछ टेस्टी सब्जी बनाना चाहते हैं तो लहसुनी मेथी बनाकर तैयार करें। ये रोटी-पराठे के साथ बहुत टेस्टी लगती है। सीखिए लहसुनी मेथी की रेसिपी-

• **जालंधर ब्रीज.** रेसिपी



इन दिनों मार्केट में मेथी काफी फ्रेश आ रही है और इसका इस्तेमाल कई तरीकों से किया जा सकता है। मेथी के पराठ और इससे बनी सब्जियां स्वाद में काफी अच्छी लगती हैं। लहसुनी मेथी की सब्जी उत्तर भारतीय और खासकर ढाबा-स्टाइल खाने में पसंद की जाने वाली एक टेस्टी सब्जी है। इसमें ताजी हरी मेथी की हल्की कड़वाहट, लहसुन की तेज खुशबू और मसालों का चटपटा स्वाद मिलता है। इसमें प्याज, टमाटर, हरी मिर्च, जीरा, हींग और दूसरे मसालों का इस्तेमाल भी किया जाता है। यहां सीखिए लहसुनी मेथी बनाने का तरीका।

लहसुनी मेथी बनाने के लिए सामग्री

5 कप कटी हुई ताजी मेथी, 15-17 लहसुन की कलियां, 1 कप कटा हुआ प्याज, 3/4 कप टमाटर की प्यूरी, 1 बड़ा चम्मच अदरक-हरी मिर्च का पेस्ट, 2 बड़े चम्मच भुनी हुई मूंगफली, 2 बड़े चम्मच भुनी हुई चना दाल, 2 बड़े चम्मच भुने हुए तिल, 1 बड़ा चम्मच काजू या मगज (खरबूजे के बीज), तेल और मक्खन/घी, आधा छोटा चम्मच जीरा, एक चुटकी हींग, आधा छोटा चम्मच हल्दी पाउडर, 1 बड़ा चम्मच लाल मिर्च पाउडर, 1 बड़ा चम्मच धनिया पाउडर, आधा छोटा चम्मच गरम मसाला, स्वादानुसार नमक, जरूरत के अनुसार पानी।

लहसुनी मेथी बनाने की विधि

लहसुनी मेथी बनाने के लिए सबसे पहले एक कड़ाही में थोड़ा तेल गरम करें, इसमें मेथी, लहसुन और थोड़ा नमक डालें। मेथी के नरम होने तक 3-4 मिनट तक भूनें। इसे निकालकर अलग रख लें। उसी कड़ाही में फिर से तेल गरम करें। इसमें जीरा और हींग डालें। फिर कटा हुआ प्याज डालें और नरम होने तथा हल्का सुनहरा होने तक भूनें। हल्दी, लाल मिर्च पाउडर, धनिया पाउडर और थोड़ा पानी डालें। 1-2 मिनट तक पकाएं। अदरक-हरी मिर्च का पेस्ट और टमाटर की प्यूरी डालें। इसे गाढ़ा होने तक और तेल अलग होने तक पकाएं। भुनी हुई मूंगफली, तिल, चना दाल और काजू (या खरबूजे के बीज) को थोड़े पानी के साथ पीसकर एक चिकना पेस्ट बना लें।

इस पेस्ट को ग्रेवी में डालें और 2-3 मिनट तक पकाएँ। ग्रेवी को सही गाढ़ापन देने के लिए जरूरत अनुसार पानी डालें। अब इसमें भुनी हुई मेथी और लहसुन, नमक और गरम मसाला डालें। धीमी आंच पर 3-4 मिनट तक पकने दें। अंत में मक्खन या घी डालें। लहसुनी मेथी को आप रोटी या पराठे के साथ गरमागरम परोसें। बस एक बात का ध्यान रखें कि इस सब्जी को गर्मा-गरम सर्व करें। तभी इसका स्वाद काफी अच्छी और फ्रेश आएगा।

लहसुनी मेथी बनाने की टिप्स

मेथी के पत्ते काटकर थोड़ा नमक लगाएं और 10 मिनट रखें। फिर हल्के हाथ से निचोड़ लें। लहसुन की कलियों को बारीक काटने के बजाय थोड़ा मोटा काटें, इससे स्वाद अच्छा आएगा। तेल या घी में लहसुन को धीमी आंच पर सुनहरा करें। जलने न दें। प्याज को हल्का सुनहरा होने तक भूनें, इससे सब्जी में मिठास आएगी। मसाला भुनने के बाद मेथी डालें और मध्यम आंच पर पकाएं। ढक्कन लगाकर बहुत देर न पकाएं। अच्छे स्वाद और टेक्सचर के लिए आखिर में 1 चम्मच मलाई डालें।

होमवर्क करने में नहीं लगता बच्चे का मन? पढ़ाई को मजेदार बनाएं

जालंधर ब्रीज (फीचर) . बच्चों को होमवर्क करने के लिए बैठाना कई पैरेंट्स के लिए रोज का चैलेंज है। होमवर्क करने का तरीका थोड़ा बदलें और उसे मजेदार बनाएं। बच्चे स्कूल में लंबे समय तक बैठकर पढ़ाई करने की वजह से थोड़ा थक जाते हैं। ऐसे में घर पर होमवर्क शुरू करने से पहले 5 मिनट खेलने या अपनी पसंद का कोई हल्का-फुल्का काम करने दें। इससे उसे पढ़ाई शुरू करने के लिए थोड़ा समय मिल जाएगा। इससे बच्चे का दिमाग फ्रेश हो जाएगा और उसका पढ़ाई में मन लगेगा।



टाइमर लगाकर पढ़ाई करने की आदत डालें : बच्चे को लंबे समय तक लगातार पढ़ने के लिए कहने के बजाए 20 मिनट पढ़ाई और 5 मिनट ब्रेक का तरीका अपनाएं। इसके लिए टाइमर लगा सकते हैं। इससे बच्चे को पता रहेगा कि उसे कितनी देर तक पढ़ना है और ब्रेक कब मिलेगा।

बच्चे को पढ़ाई के दो ऑप्शन दें : हर बार अपनी पसंद से पढ़ाई शुरू करवाने के बजाए बच्चे को दो आसान ऑप्शन दें। जैसे उससे कहें कि वह पहले मैथ्स का होमवर्क करना चाहता है या इंग्लिश का। जब बच्चा अपनी पसंद के साथ पढ़ाई की शुरुआत करेगा तो उसकी पढ़ाई में मन ज्यादा लगेगा।

काम पूरा करने पर तारीफ करें : बच्चे ने एक सवाल हल कर लिया, लिखने का काम पूरा कर लिया या बिना याद दिलाए पढ़ाई शुरू कर दी, तो उसकी तारीफ जरूर करें। आप कह सकते हैं कि तुमने आज यह काम अच्छे से किया या मुझे अच्छा लगा कि तुमने खुद से शुरुआत की। ऐसी छोटी बातें बच्चे का हौसला बढ़ाती हैं।

गलती होने पर डांटने के बजाए समझाएं : होमवर्क करते समय बच्चे से गलतियां होना आम है। हर गलती पर डांटने से बच्चा जवाब देने या सवाल पूछने में डरने लगता है। इसलिए गलती होने पर उसे सही जवाब तुरंत बताने के बजाय एक छोटा-सा हिंट दें। इससे उसे अपनी गलती समझने और सीखने का मौका मिलेगा।

पढ़ाई की जगह फिक्स रखें : अगर बच्चा कभी सोफे पर, कभी बिस्तर पर और कभी टीवी के सामने बैठकर होमवर्क करता है, तो उसका ध्यान बार-बार भटक सकता है। इसलिए घर में पढ़ाई के लिए एक साफ और शांत जगह फिक्स करें। वहां किताबें, कॉपियां, पेंसिल और दूसरी जरूरी चीजें पहले से रख दें। जब बच्चा ऑर्गेनाइज्ड तरीके से पढ़ाई शुरू करता है तो उसकी पढ़ाई में मन ज्यादा लगता है।

खुद भी मोबाइल से दूरी बनाएं : बच्चे को पढ़ाई के समय मोबाइल दूर रखने के लिए कहने से पहले माता-पिता को भी अपनी आदतों पर ध्यान देना चाहिए। अगर बच्चा होमवर्क कर रहा है और आप बार-बार फोन देख रहे हैं, तो उसका ध्यान भी मोबाइल की तरफ जा सकता है। कोशिश करें कि पढ़ाई के समय घर में फोन का इस्तेमाल कम हो। जरूरत पड़ने पर फोन को साइलेंट करके अलग रख दें, ताकि बच्चे को भी अच्छी आदत अपनाने में मदद मिले।

हड्डियों को मिलेगी आज से ही मजबूती, न्यूट्रिशनिस्ट का बताया ये बोन हेल्थ पाउडर पिएं

Health 30-35 की उम्र करीब आ रही और आपको भविष्य में जोड़ों के दर्द, कमर के दर्द से बचना है और हड्डियों को मजबूत बनाना है जिससे हल्की चोट-चपेट से होने वाले फ्रैक्चर से बचा जा सके तो आज ही ये होममेड पाउडर बनाकर पिएं।



• **जालंधर ब्रीज.** हेल्थ केयर

आजकल 40 के बाद ही युवाओं हड्डियों की कमजोरी देखने को मिल रही। जरा सा चोट लगते ही बोन में फ्रैक्चर आ जा रहा। या फिर ज्वाइंट्स पेन होना स्टार्ट हो जाता है। हड्डियों की कमजोरी की वजह से घुटने, पैरों में दर्द बढ़ रहा। खासतौर पर सर्दियां शुरू होते ही ये शिकायत तो भी ज्यादा बढ़ जाती। 60 की उम्र तक हड्डियों में मजबूती चाहिए तो 30 की उम्र से ही सही न्यूट्रिशन लेना स्टार्ट कर दें। डॉक्टर के मुताबिक एक होममेड पाउडर की रेसिपी है जो ना केवल बोन हेल्थ को इंप्रूव करेगी बल्कि ज्वाइंट्स पेन को भी होने से रोकेगी। इस पाउडर को बनाने के लिए ढेर सारे इंग्रीडिएंट्स नहीं मात्र तीन चीज चाहिए। तो चलिए जानें कौन सा होममेड पाउडर है जो बोन हेल्थ को इंप्रूव करेगा।

हड्डियों की मजबूती के लिए न्यूट्रिशनिस्ट ने बताया होममेड पाउडर

अपनी हड्डियों की सेहत को सुधारना है तो ये सिंपल सा न्यूट्रिशन पैक्ड पाउडर लेना स्टार्ट कर दें, जो बनाने में बहुत ही आसान है। इसे बनाने के लिए चाहिए 3 चीजें- एक बाउल मखाना, एक बाउल सफेद तिल, एक बाउल खसखस, दूध जितनी जरूरत हो इत्यादि।

होममेड पाउडर बनाने का तरीका

सबसे पहले मखाना, खसखस और सफेद तिल को ड्राई रोस्ट कर लें। ड्राई रोस्ट करने अंदर का मॉइश्चर खत्म हो जाता है और ऑयल नेचुरली एक्टीवेट होता है। इसे रोस्ट करने लिए हमेशा आयरन यानि लोहे का तवा लें, इसी में रोस्ट करें। साथ ही फ्लेम को बिल्कुल धीमा रखें। अच्छी तरह से रोस्ट करने के बाद ग्राइंडर जार में फाइन पाउडर बना लें। इसे किसी एयर टाइट जार में भरकर किसी ड्राई और ठंडे जगह पर रख दें।

बोन हेल्थ के लिए कैसे इस्तेमाल करें ये पाउडर : हड्डियों को मजबूत बनाना चाहते हैं तो इस होममेड पाउडर को गुनगुने दूध में मिलाकर पिएं।

उंगलियों में सूजन और तिल, खसखस और मखाना है हड्डियों के लिए बेस्ट

सफेद तिल में में कैल्शियम, मैग्नीशियम और फास्फोरस की मात्रा भरपूर होती है। जो हड्डियों को कैल्शियम के साथ मिलकर मजबूत बनाने में मदद करता है। बोन डेंसिटी को इंप्रूव करना है तो सफेद तिल डाइट में जरूर होना चाहिए। वहीं खसखस में 18 ग्राम प्रोटीन होता है और साथ ही मैंगनीज की मात्रा होती है जो कैल्शियम, मैग्नीशियम और फास्फोरस के साथ मिलकर हड्डियों को मजबूती देती है। जिन लोगों को जोड़ो में दर्द रहता है उन्हें खसखस जरूर खाना चाहिए। ये कमर दर्द में भी राहत देता है। मखाने में प्लांट बेस्ड मिनरल्स और न्यूट्रिशन होते हैं। जब तीनों चीजों को मिलाकर दूध के साथ सेवन किया जाता है तो ये ना केवल जोड़ों और कमर के दर्द से राहत देगा बल्कि हड्डियों को भी मजबूत बनाएगा। महिला हो या पुरुष बढ़ती उम्र में इस बोन हेल्थ पाउडर को जरूर पीना चाहिए। अगर नाखूनों का रंग पीला, गंदा सा नजर आने लगे और नाखूनों में टूट-फूट होने लगे तो कई बार ये फंगल इंफेक्शन का लक्षण होता है।

नोट- यह खबर सामान्य जानकारियों पर आधारित है। किसी भी तरह की विशेष जानकारी के लिए स्वास्थ्य विशेषज्ञ से उचित सलाह लें।

आईआईटी रोपड़ ने योगिक विज्ञान एवं समग्र विकास केंद्र का उद्घाटन किया

• **जालंधर ब्रीज** . रोपड़/ चंडीगढ़



आईआईटी रोपड़ ने Beyond Intelligence: Defining and Measuring Wisdom for AI नामक श्वेत पत्र का लोकार्पण आयोजित किया। यह श्वेत पत्र बताता है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) को केवल बुद्धि ही नहीं, बल्कि विवेक की कसौटी पर कैसे परखा जा सकता है। इसका लोकार्पण संस्थान में आयोजित Shaping the AI Mind कार्यक्रम में हुआ। इस अवसर पर आईआईटी रोपड़ के निदेशक प्रो. राजीव आहूजा और स्टैनफ़ोर्ड यूनिवर्सिटी में निदेशक (शोध) तथा आईआईटी रोपड़ में एडजंक्ट फैकल्टी डॉ. ईशान शिवानंद उपस्थित थे। श्वेत पत्र का लोकार्पण डॉ. ईशान शिवानंद ने किया। वे स्टैनफ़ोर्ड यूनिवर्सिटी में निदेशक (शोध), आईआईटी रोपड़ में एडजंक्ट फैकल्टी और वैश्विक मानसिक स्वास्थ्य गठबंधन कम्पैशन यूनाइट्स के संस्थापक हैं। यह पत्र उन्होंने डॉ. अंजलि समानी के साथ मिलकर लिखा है। डॉ. समानी सेल्सफ़ोर्स में एआई और डेटा साइंस की पूर्व वरिष्ठ अधिकारी हैं। श्वेत पत्र बताता है कि एआई में विवेक को कैसे परिभाषित, मापा और परखा जा सकता है। यह डॉ. शिवानंद के शिव सूत्रों और मन पर भारत के शास्त्रीय ग्रंथों के अध्ययन पर आधारित है।

कार्यक्रम में डॉ. ईशान अवधूत शिवानंद योगिक विज्ञान एवं समग्र विकास केंद्र का उद्घाटन भी हुआ। यह केंद्र आईआईटी रोपड़ में स्थापित किया गया है। इसका वित्तपोषण डॉ. शिवानंद ने किया है।

प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए आईआईटी रोपड़ के निदेशक प्रो. राजीव आहूजा ने कहा, "हमारे विद्यार्थी वह एआई बनाएंगे, जिसका उपयोग दुनिया करेगी। आज जैसी चर्चाएं उन्हें यह सोचने में मदद करती हैं कि इसे कुशलता के साथ-साथ विवेक से कैसे बनाया जाए।" प्रो. आहूजा ने आगे कहा, "आज एआई प्रणालियां पेशेवर परीक्षाएं पास कर सकती हैं और भावनात्मक बुद्धिमत्ता के परीक्षणों में भी अच्छे अंक लाती हैं। लेकिन वे अक्सर लोगों को वही बताती हैं जो वे सुनना चाहते हैं, वह नहीं जो उनके लिए अच्छा है।"

इस वर्ष Science पत्रिका में प्रकाशित एक अध्ययन में पाया गया कि रोज़मर्रा की सलाह मांगे जाने पर अग्रणी एआई प्रणालियों ने इंसानों की तुलना में लगभग 49 प्रतिशत अधिक बार उपयोगकर्ता का पक्ष लिया। यह समस्या वैश्विक है। वर्ष 2025 में ओपनएआई ने ChatGPT का एक अपडेट वापस ले लिया था, क्योंकि वह ज़रूरत से ज़्यादा चापलूस हो गया था। कंपनी ने कहा था कि उसने "अल्पकालिक फ़ीडबैक पर बहुत अधिक ध्यान दिया।" श्वेत पत्र का तर्क है कि एआई में बुद्धि की कमी नहीं है। उसमें विवेक की कमी है। विवेक को मापने के लिए लेखकों ने HEED नाम का एक मॉडल प्रस्तुत किया है। HEED का अर्थ है हानि, अहंकार, धैर्य और विवेक। यह मॉडल छह घटकों को जोड़ता है: ज्ञान, मूल्य, संदर्भ, विवेक, धैर्य और अहंकार। यह पहला शोध एआई के उत्तरों का मूल्यांकन करता है। लोगों के निर्णयों, कल्याण और विवेक पर इसके प्रभाव को जानने के लिए आगे और अध्ययन करने होंगे।

शिव सूत्र अहंकार, यानी मान्यता पाने की चाह को, वह कारण बताते हैं जो विवेक पर पर्दा डालता है। एआई में भी यही कमी दिखती है, जिसे "सायकोफेंसी" (चापलूसी की प्रवृत्ति) कहा जाता है। वह सच बताने के बजाय ऐसे उत्तर देता है जो उपयोगकर्ता को अच्छे लगें। HEED के अनुसार, जब कोई एआई अपने ज्ञान और मूल्यों का सही निर्णय के साथ उपयोग करता है, तो उसे अधिक अंक मिलते हैं। जब खुश करने की चाह आड़े आती है, तो अंक घट जाते हैं। कोई भी उत्तर, जिससे गंभीर हानि हो सकती है, उसे शून्य अंक मिलते हैं। इस मॉडल का परीक्षण पहले अंग्रेज़ी, हिंदी और हिंग्लिश में किया जाएगा। आगे इसे अन्य भाषाओं तक बढ़ाने की योजना है।

डच हॉकी दिग्गज फ्लोरिस जेन बोवेलैंडर मुख्यमंत्री मान के निमंत्रण पर जालंधर पहुंचे

• **जालंधर ब्रीज** . *चंडीगढ़*



डच हॉकी के दिग्गज खिलाड़ी और 1996 के अटलांटा ओलंपिक खेलों तथा 1990 विश्व कप में स्वर्ण पदक विजेता फ्लोरिस जेन बोवेलैंडर ने पंजाब में 'हीरो एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी 2026' देखने के लिए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान द्वारा दिए गए निमंत्रण पर खुशी व्यक्त की। उन्होंने इस अवसर पर मुख्यमंत्री की इस वर्ष अप्रैल में नीदरलैंड यात्रा तथा हॉकी के प्रति उनके गहरे जुनून और प्रेम को भी याद किया।

जालंधर के ओलंपियन सुरजीत सिंह हॉकी स्टेडियम में चल रहे टूर्नामेंट के दौरान बातचीत करते हुए फ्लोरिस जेन बोवेलैंडर ने कहा, ''मैं यह जानकर हैरान भी था और गर्व भी महसूस कर रहा था कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने मुझे याद रखा और इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट का हिस्सा बनने के लिए व्यक्तिगत रूप से आमंत्रित किया। यह निमंत्रण हॉकी के प्रति मुख्यमंत्री के अपार प्रेम का स्पष्ट प्रमाण है और इसी कारण मैंने जालंधर आने का निर्णय लिया।''

अक्टूबर 1985 से अगस्त 1996 तक के शानदार अंतरराष्ट्रीय करियर के दौरान नीदरलैंड के लिए 241 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलकर 215 गोल करने वाले महान 'ड्रैग फ्लिकर' बोवेलैंडर ने भारत को विश्व हॉकी का पावरहाउस बताया।

ओलंपिक आंदोलन में एशियाई देशों, विशेष रूप से भारत और पाकिस्तान के योगदान का उल्लेख करते हुए फ्लोरिस बोवेलैंडर ने दुनियाभर में इस आंदोलन को लोकप्रिय बनाने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका की सराहना की।

भारतीय हॉकी के साथ अपने पुराने संबंधों को याद करते हुए इस डच दिग्गज खिलाड़ी—जिसे 'फ्लॉप', 'फ्लॉपी' और 'बूम बूम बोवेलैंडर' के नाम से भी जाना जाता है—ने कहा कि भारत ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हॉकी को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में बहुत बड़ा योगदान दिया है। उन्होंने आगे कहा कि भारतीय हॉकी से जुड़ी उनकी अधिकांश यादें पंजाब के खिलाड़ियों, विशेष रूप से सिख खिलाड़ियों, से जुड़ी हैं। बोवेलैंडर ने जोर देकर कहा कि पंजाब के बिना भारतीय हॉकी की कल्पना भी नहीं की जा सकती।

अपनी यात्रा के दौरान फ्लोरिस बोवेलैंडर ने पंजाब के 37 कोचों और पंजाब सरकार की देखरेख में चल रही 'सुरजीत हॉकी अकादमी' के उभरते हॉकी खिलाड़ियों के साथ एक संयुक्त प्रशिक्षण सत्र में भी हिस्सा लिया। उन्होंने स्वयं हॉकी स्टिक पकड़कर हिट लगाए और खिलाड़ियों से ड्रैग फ्लिक भी करवाकर देखी। इस अवसर पर उनके साथ खेल विभाग से ओलंपिक पदक विजेता गुरजंट सिंह, द्रोणाचार्य पुरस्कार विजेता जीवनजोत सिंह तेजा और हॉकी कोच अवतार सिंह भी मौजूद थे।

शैक्षिक सशक्तिकरण : पहुँच और अवसरों के विस्तार के बारह वर्ष

• **जालंधर ब्रीज** . नई दिल्ली

सामाजिक सशक्तिकरण के लिए शिक्षा बेहद महत्वपूर्ण है। सामाजिक और आर्थिक रूप से वंचित समुदायों के छात्रों के लिए वित्तीय सहायता, उनकी स्कूली शिक्षा को जारी रखने, उच्च शिक्षा के लिए अवसर मुहैया कराने और अनुसंधान तथा पेशेवर करियर में उनकी आकांक्षाओं को पूरा करने में मददगार साबित हो सकती है।

वित्तीय वर्ष 2014-15 से 2025-26 के बीच, सामाजिक न्याय और अधिकारिता विभाग ने छात्रवृत्तियों, कोचिंग सहायता, विदेशों में शिक्षा के लिए सहयोग और शोध फेलोशिप के ज़रिए इन उद्देश्यों को पूरा करने का प्रयास किया है। विभाग का दृष्टिकोण वित्तीय बाधाओं को कम करने और शिक्षा के निरंतर विस्तार को मजबूत करने पर आधारित है। इसके प्रयासों का उद्देश्य अनुसूचित जातियों (एससी), अन्य पिछड़ा वर्गों (ओबीसी), आर्थिक रूप से पिछड़े वर्गों (ईबीसी) तथा डीनोटिफाई, घुमंतू और अर्ध-घुमंतू जनजातियों (डीएनटी) के लिए अवसरों तक पहुँच को बेहतर बनाना है। इसके अलावा वित्तीय सहायता के साथ-साथ, छात्रवृत्ति प्रशासन में किए गए सुधारों के तहत पारदर्शिता, लाभार्थियों के सत्यापन और सहायता के सीधे वितरण पर भी ख़ासा ज़ोर दिया गया है।



बी.एल. वर्मा
(लेखक सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय में केंद्रीय राज्य मंत्री हैं)

स्कूली वर्षों से ही शिक्षा पर ज़ोर : अनुसूचित जातियों और अन्य वर्गों के लिए प्री-मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना शुरुआती स्तर पर शिक्षा में मददगार साबित होती है। केंद्र प्रायोजित इस योजना का उद्देश्य साक्षरता को बढ़ावा देना, स्कूल छोड़ने की दर को कम करना और अनुसूचित जाति के बच्चों तथा ऐसे बच्चों की स्कूली शिक्षा को निरंतर बनाए रखना है, जिनके माता-पिता या अभिभावक अस्वच्छ और खतरनाक व्यवसायों में लगे हुए हैं। वित्त वर्ष 2014-15 से 2025-26 के दौरान, इस योजना के तहत 4,893 करोड़ रुपये की केंद्रीय सहायता जारी की गई, जिससे इस पूरी अवधि में लगभग 3 करोड़ लोगों को लाभ मिला। केवल वित्त वर्ष 2025-26 में ही 562 करोड़ रुपये जारी किए गए, जिससे लगभग 27 लाख छात्रों को लाभ मिला। स्कूली शिक्षा के दौरान आने वाली आर्थिक बाधाओं को दूर करके, यह योजना वंचित बच्चों को अपनी पढ़ाई जारी रखने में मदद करने का प्रयास करती है। पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना के माध्यम से अनुसूचित जाति के छात्रों को स्कूली शिक्षा के बाद भी सहायता दी जाती है। इस प्रमुख योजना का उद्देश्य उच्च शिक्षा तक पहुंच बढ़ाना, छात्रों को पढ़ाई जारी रखने में मदद करना और उच्च शिक्षा में एससी छात्रों की भागीदारी को बढ़ाना है। वित्त वर्ष 2014-15 से 2025-26 के दौरान, इस योजना के तहत 46,581 करोड़ रुपये की केंद्रीय सहायता दी गई, जिससे लगभग 6.13 करोड़ छात्रों को लाभ मिला। वित्त वर्ष 2025-26 में, इस योजना ने 47.53 लाख छात्रों को सहायता प्रदान की।

डिजिटल सुधारों के ज़रिए पारदर्शिता को मजबूत करना : छात्रवृत्ति वितरण में एक बड़ा बदलाव तब आया, जब वित्त वर्ष 2021-22 से प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) प्रणाली लागू की गई। इस व्यवस्था के तहत, छात्रवृत्ति की राशि सीधे लाभार्थियों के आधार-लिंक्ड बैंक खातों में भेजी जाती है। इस सुधार का मकसद जवाबदेही बढ़ाना, देरी और धन के दुरुपयोग को कम करना तथा छात्रों तक सहायता पहुंचाने की प्रक्रिया को बेहतर बनाना है।

डिजिटल सत्यापन इस ढांचे का एक और महत्वपूर्ण हिस्सा बन गया है। डी-डुप्लीकेशन प्रक्रियाएं फर्जी या डुप्लिकेट लाभार्थियों की पहचान करने में मदद करती हैं, जबकि बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण और इलेक्ट्रॉनिक 'नो योर कस्टमर' सत्यापन पहचान की जांच को और मजबूत बनाते हैं।

इस धनतेरस स्वास्थ्य में निवेश परिवार की सबसे बड़ी समृद्धि

जालंधर ब्रीज (दिल्ली) . ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार ने विकसित भारत-रोजगार और आजीविका मिशन (ग्रामीण) यानी वीबी-जी राम जी अधिनियम के तहत वीबी-जी राम जी शिकायत निवारण नियम, 2026 अधिसूचित किए हैं। इन नियमों के माध्यम से योजना के क्रियान्वयन से जुड़ी शिकायतों के समाधान के लिए एक सुव्यवस्थित, बहुस्तरीय और समयबद्ध व्यवस्था स्थापित की गई है। इनका उद्देश्य शिकायत निवारण प्रक्रिया को अधिक सुलभ, पारदर्शी और जवाबदेह बनाना है, ताकि नागरिकों की समस्याओं पर समय रहते ध्यान दिया जा सके और उचित कार्रवाई सुनिश्चित हो।

बहुस्तरीय शिकायत निवारण व्यवस्था : इन नियमों के तहत राज्य सरकारों द्वारा ग्राम पंचायत, ब्लॉक और जिला स्तर पर समयबद्ध, बहुस्तरीय शिकायत निवारण व्यवस्था स्थापित की जाएगी। संबंधित स्तरों पर नामित शिकायत निवारण अधिकारी शिकायतें प्राप्त करने, उनका पंजीकरण करने, जांच करने और उनका निपटारा करने के लिए जिम्मेदार होंगे।

जिला कार्यक्रम समन्वयक जिला स्तर पर शिकायत निवारण व्यवस्था की निगरानी करेंगे। वे यह सुनिश्चित करेंगे कि शिकायतों का समाधान निर्धारित व्यवस्था और शिकायत निवारण के लिए विकसित डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर के माध्यम से किया जाए।

शिकायत दर्ज कराने के लिए कई माध्यम : शिकायत दर्ज कराने की प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए कोई भी व्यक्ति योजना के क्रियान्वयन से जुड़े किसी भी मामले में शिकायत कर सकता है। नियमों के तहत शिकायत दर्ज कराने के लिए कई माध्यम उपलब्ध कराए गए हैं:



प्रतापराव जाधव
(लेखक केंद्रीय आयुष राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) एवं स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री हैं।)

नामित शिकायत निवारण अधिकारी के समक्ष व्यक्तिगत रूप से शिकायत दर्ज कराना। डिलीवरी के प्रमाण के साथ स्पीड पोस्ट के माध्यम से शिकायत भेजना। केंद्र सरकार द्वारा निर्धारित शिकायत निवारण के डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर के माध्यम से शिकायत दर्ज कराना। टेलीफोन, निर्धारित हेल्पलाइन या राज्य सरकार द्वारा तय किसी अन्य माध्यम से शिकायत करना।

ग्राम पंचायत, ब्लॉक या जिला स्तर पर भौतिक रूप से प्राप्त शिकायतों को उसी दिन निर्धारित डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर पर दर्ज और पंजीकृत करना होगा। यदि ऐसा करना संभव न हो, तो अगले कार्य दिवस तक उनका पंजीकरण अनिवार्य होगा।

शिकायत का पंजीकरण होने पर शिकायतकर्ता को एक पावती दी जाएगी। इसमें पंजीकरण संख्या, शिकायत प्राप्त होने की तारीख और शिकायत प्राप्त करने वाले अधिकारी का पदनाम दर्ज होगा। डिजिटल माध्यम से प्राप्त शिकायतों के लिए पावती इलेक्ट्रॉनिक रूप में और भौतिक रूप से प्राप्त शिकायतों के लिए पावती भौतिक रूप में दी जाएगी। महत्वपूर्ण बात यह है कि शिकायत के प्रारूप, भाषा, उसे प्रस्तुत करने के तरीके या किसी प्रक्रियागत कमी के आधार पर उसका पंजीकरण करने से इनकार नहीं किया जा सकेगा। इस प्रावधान से यह सुनिश्चित होगा कि प्रक्रियागत औपचारिकताओं के कारण किसी भी नागरिक को शिकायत निवारण व्यवस्था का लाभ लेने से वंचित न होना पड़े।

जांच और शिकायत निवारण के लिए निर्धारित समय-सीमा : नियमों में शिकायतों की त्वरित जांच और समाधान सुनिश्चित करने के लिए स्पष्ट समय-सीमा तय की गई है। नामित शिकायत निवारण अधिकारी प्रत्येक पंजीकृत शिकायत की जांच करेंगे और आवश्यक कार्रवाई करेंगे। इसके लिए अधिकारी संबंधित प्राधिकारियों या कर्मचारियों से रिकॉर्ड, रजिस्टर, दस्तावेज, रिपोर्ट, इलेक्ट्रॉनिक डेटा या अन्य आवश्यक जानकारी मांग सकते हैं।

आवश्यकता पड़ने पर शिकायत का निपटारा करने से पहले शिकायतकर्ता को व्यक्तिगत रूप से या इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से अपना पक्ष रखने का उचित अवसर भी दिया जाएगा। शिकायत की प्राप्ति की तारीख से 7 कार्य दिवसों के भीतर उसकी जांच पूरी करना अनिवार्य होगा। जांच पूरी होने के बाद शिकायत निवारण अधिकारी निष्कर्ष दर्ज करेंगे और अधिनियम तथा नियमों के अनुरूप आवश्यक सुधारात्मक या उपचारात्मक कार्रवाई करेंगे अथवा करवाएंगे। प्रत्येक शिकायत का निवारण उसकी प्राप्ति की तारीख से 15 दिनों के भीतर करना होगा।

ग्रामीण विकास मंत्रालय : नए शिकायत निवारण नियम अधिसूचित

जालंधर ब्रीज (दिल्ली) . ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार ने विकसित भारत-रोजगार और आजीविका मिशन (ग्रामीण) यानी वीबी-जी राम जी अधिनियम के तहत वीबी-जी राम जी शिकायत निवारण नियम, 2026 अधिसूचित किए हैं। इन नियमों के माध्यम से योजना के क्रियान्वयन से जुड़ी शिकायतों के समाधान के लिए एक सुव्यवस्थित, बहुस्तरीय और समयबद्ध व्यवस्था स्थापित की गई है। इनका उद्देश्य शिकायत निवारण प्रक्रिया को अधिक सुलभ, पारदर्शी और जवाबदेह बनाना है, ताकि नागरिकों की समस्याओं पर समय रहते ध्यान दिया जा सके और उचित कार्रवाई सुनिश्चित हो।

बहुस्तरीय शिकायत निवारण व्यवस्था : इन नियमों के तहत राज्य सरकारों द्वारा ग्राम पंचायत, ब्लॉक और जिला स्तर पर समयबद्ध, बहुस्तरीय शिकायत निवारण व्यवस्था स्थापित की जाएगी। संबंधित स्तरों पर नामित शिकायत निवारण अधिकारी शिकायतें प्राप्त करने, उनका पंजीकरण करने, जांच करने और उनका निपटारा करने



के लिए जिम्मेदार होंगे।

जिला कार्यक्रम समन्वयक जिला स्तर पर शिकायत निवारण व्यवस्था की निगरानी करेंगे। वे यह सुनिश्चित करेंगे कि शिकायतों का समाधान निर्धारित व्यवस्था और शिकायत निवारण के लिए विकसित डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर के माध्यम से किया जाए।

शिकायत दर्ज कराने के लिए कई माध्यम : शिकायत दर्ज कराने की प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए कोई भी व्यक्ति योजना के क्रियान्वयन से जुड़े किसी भी मामले में शिकायत कर सकता है। नियमों के तहत शिकायत दर्ज कराने के लिए कई माध्यम उपलब्ध कराए गए हैं:

नामित शिकायत निवारण अधिकारी के समक्ष व्यक्तिगत रूप से शिकायत दर्ज कराना। डिलीवरी के प्रमाण के साथ स्पीड पोस्ट के माध्यम से शिकायत भेजना। केंद्र सरकार द्वारा निर्धारित शिकायत निवारण के डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर के माध्यम से शिकायत दर्ज कराना।

टेलीफोन, निर्धारित हेल्पलाइन या राज्य सरकार द्वारा तय किसी अन्य माध्यम से शिकायत करना।

ग्राम पंचायत, ब्लॉक या जिला स्तर पर भौतिक रूप से प्राप्त शिकायतों को उसी दिन निर्धारित डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर पर दर्ज और पंजीकृत करना होगा। यदि ऐसा करना संभव न हो, तो अगले कार्य दिवस तक उनका पंजीकरण अनिवार्य होगा।

57वीं जीएसटी काउंसिल की सिफारिशों पर आउटरीच कार्यक्रम

• **जालंधर ब्रीज** . चंडीगढ़



57वीं जीएसटी काउंसिल की सिफारिशों पर एक आउटरीच कार्यक्रम का आयोजन केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (CBIC) के अध्यक्ष विवेक चतुर्वेदी और CBIC के सदस्य संजय मंगल के मार्गदर्शन में, सीजीएसटी चंडीगढ़ क्षेत्र के मुख्य आयुक्त शुभ चिंतन की उपस्थिति में 30 अक्टूबर, 2026 को चंडीगढ़ में किया गया। इस आउटरीच में पंजाब और हिमाचल प्रदेश के आबकारी एवं कराधान आयुक्तों ने भी हिस्सा लिया। इस कार्यक्रम में करदाताओं, कर पेशेवरों और व्यापार निकायों के प्रतिनिधियों सहित विभिन्न हितधारक एक साथ आए, ताकि 57वीं जीएसटी काउंसिल की सिफारिशों से संबंधित मामलों पर चर्चा की जा सके।

इस कार्यक्रम ने व्यापार और उद्योग जगत के हितधारकों को CBIC के वरिष्ठतम नेतृत्व के साथ बातचीत करने का एक मंच प्रदान किया। इसका मुख्य उद्देश्य उन्हें 57वीं जीएसटी काउंसिल की सिफारिशों से अवगत कराना और इसके कार्यान्वयन से संबंधित मुद्दों पर चर्चा को सुगम बनाना था। इस कार्यक्रम में करदाताओं, औद्योगिक निकायों और व्यापार संघों के प्रतिनिधियों, कर पेशेवरों और अन्य हितधारकों सहित 200 से अधिक प्रतिभागी उपस्थित थे। उन्होंने अपने प्रश्न रखे, जिनका अध्यक्ष और सदस्य द्वारा एक विशेष संवादात्मक सत्र में उचित उत्तर दिया गया। इस बातचीत का उद्देश्य कर प्रशासन और करदाता समुदाय के बीच रचनात्मक संवाद को बढ़ावा देना तथा जीएसटी से संबंधित बदलावों और जीएसटी काउंसिल द्वारा अनुशंसित उपायों की बेहतर समझ को सुविधाजनक बनाना था।

यह आउटरीच कार्यक्रम वित्त मंत्रालय के हितधारक जुड़ाव, पारदर्शिता और करदाता सुविधा पर निरंतर जोर देने को दर्शाता है। इस तरह की बातचीत करदाताओं, व्यापार संघों और कर पेशेवरों के साथ रचनात्मक संवाद के लिए तथा कर प्रशासन और व्यापार समुदाय के बीच तालमेल को मजबूत करने के लिए एक महत्वपूर्ण माध्यम प्रदान करती है।

केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले ने चंडीगढ़ में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान सामाजिक न्याय से जुड़ी प्रमुख पहलों पर प्रकाश डाला

• ***जालंधर ब्रीज*** . *चंडीगढ़*

केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री रामदास अठावले ने मंगलवार को चंडीगढ़ स्थित यूटी गेस्ट हाउस में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय द्वारा समाज के वंचित एवं कमजोर वर्गों के उत्थान, कल्याण और सशक्तिकरण के लिए चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं एवं पहलों की जानकारी दी।

मीडिया से बातचीत के दौरान अठावले ने मंत्रालय के प्रमुख कार्यक्रमों और पहलों का उल्लेख करते हुए कहा कि इनका उद्देश्य सामाजिक समानता को बढ़ावा देना, समावेशी विकास सुनिश्चित करना तथा हाशिए पर रह रहे समुदायों की सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति में सुधार करना है। उन्होंने कहा कि सरकार शिक्षा, कौशल विकास, रोजगार सृजन और जनकल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से समाज के कमजोर वर्गों के लिए नए अवसर उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है।

केंद्रीय राज्य मंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार की सराहना करते हुए कहा कि सरकार ने देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के लिए अनेक महत्वपूर्ण पहल की हैं। मेक इन इंडिया और प्रधानमंत्री मुद्रा योजना जैसी



प्रमुख योजनाओं का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि इन पहलों ने उद्यमिता को प्रोत्साहित करने, छोटे व्यवसायों को सहयोग देने और रोजगार के अवसर सृजित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

भारत की आर्थिक प्रगति पर प्रकाश डालते हुए अठावले ने कहा कि भारत वर्तमान में विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और देश शीघ्र ही तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में आगे बढ़ सकता है। उन्होंने देश की आर्थिक विकास दर और अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों पर विश्वास व्यक्त किया।

उन्होंने कहा कि आर्थिक विकास के साथ-साथ सामाजिक सशक्तिकरण भी आवश्यक है, ताकि विकास का लाभ समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंच सके। उन्होंने दोहराया कि समावेशी विकास, समान अवसर और जनकल्याणकारी नीतियां एक मजबूत एवं समतामूलक राष्ट्र के निर्माण के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं।

अमित शाह चंडीगढ़ पुलिस के हीरक जयंती समारोह में शामिल हुए

• **जालंधर ब्रीज** . चंडीगढ़



केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने आज चंडीगढ़ पुलिस के हीरक जयंती स्थापना समारोह में भाग लिया और चंडीगढ़ पुलिस के राष्ट्रपति निशान अलंकरण समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर पंजाब के राज्यपाल और चंडीगढ़ के प्रशासक गुलाब चंद कटारिया सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

इस अवसर पर अपने संबोधन में केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि आज चंडीगढ़ पुलिस को मिला राष्ट्रपति निशान, बल की 6 दशकों की सेवा, समर्पण और संवेदनशीलता का सम्मान है। कर्तव्यपरायणता के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान देना किसी भी शहीद के लिए गर्व की बात होती है और यह जवान के संगठन के लिए भी गर्व की बात होती है। 1966 से लेकर आज तक चंडीगढ़ पुलिस ने निरंतर इस अद्भुत स्थान की रखवाली के लिए अथक प्रयास करते हुए एक स्वर्णिम अध्याय लिखने का काम किया है। अमित शाह ने कहा कि आज 141 नए वाहनों को चंडीगढ़ पुलिस के बेड़े में शामिल किया जा रहा है। इससे त्वरित प्रतिक्रिया, सघन पैट्रोलिंग, मोबिलिटी, तकनीक और आधुनिक पुलिसिंग को बहुत बल मिलेगा। चंडीगढ़ पुलिस रेस्पॉंस टाइम में देश में दूसरे स्थान पर है और 141 नए वाहन मिलने के बाद चंडीगढ़ पुलिस देशभर में पहले स्थान पर होगी।

केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि किसी भी बल को राष्ट्रपति निशान 15 साल से अधिक की सेवा और जवानों के अनुशासन और जज़्बे को देखकर दिया जाता है। चंडीगढ़ पुलिस ने पिछले 60 साल में उत्तर क्षेत्र के हृदय के रूप में पूरे भारत को सुरक्षित करने का सफल प्रयास किया है। शिवालिक पहाड़ियों की तलहटी में बसा चंडीगढ़ को भारत का सबसे नियोजित शहर माना जाता है, लेकिन जब देश में आतंकवाद का दौर आया तब चंडीगढ़ भी उससे अछूता नहीं रहा। उस ज़माने में चंडीगढ़ पुलिस ने पराक्रम की पराकाष्ठादी, साहस का अनुभव कराया, शौर्य, सेवा और सुशासन से न सिर्फ चंडीगढ़ बल्कि इस पूरे क्षेत्र को आतंकवाद से बचाने का काम किया। अमित शाह ने कहा कि 1 नवंबर, 1966 को चंड़ीगढ़ को केन्द्रशासित प्रदेश बनाते हुए दोनों राज्यों की संयुक्त राजधानी बनाया गया। चंडीगढ़ पुलिस ने हरियाणा पुलिस और पंजाब पुलिस से समन्वय. साधते हुए TRIO Cities को बहुत अच्छे से संभाला है।

हार्दिक सिंह ने पूरे किए 200 सीनियर अंतरराष्ट्रीय मैच, हॉकी इंडिया ने दी बधाई

इसी मैदान से शुरू किया था हॉकी का सफर, 2013 हॉकी इंडिया लीग के दौरान निभाई थी बॉल-बॉय की भूमिका

• **जालंधर ब्रीज.** मोहाली

हॉकी इंडिया ने भारतीय पुरुष हॉकी टीम के मिडफील्डर हार्दिक सिंह को 200 सीनियर अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने की उपलब्धि हासिल करने पर बधाई दी है। हार्दिक ने यह मुकाम रविवार को मोहाली स्थित ओलंपियन बलबीर सिंह सीनियर इंटरनेशनल हॉकी स्टेडियम में जापान के खिलाफ हीरो एशियन चैंपियंस ट्रॉफी पंजाब 2026 के फाइनल मुकाबले के दौरान हासिल किया। इस खास मौके पर पंजाब के माननीय मुख्यमंत्री भगवंत मान ने हार्दिक सिंह को पीठ पर 200 नंबर वाली विशेष जर्सी भेंट कर सम्मानित किया।

28 वर्षीय स्टार अटैकिंग मिडफील्डर के लिए यह उपलब्धि इसलिए भी बेहद खास है, क्योंकि उन्होंने इसी मैदान पर एक प्रशिक्षु के रूप में अपने हॉकी करियर की शुरुआत की थी। हार्दिक की इस मैदान से कई पुरानी यादें जुड़ी हैं। वर्ष 2013 में हॉकी इंडिया लीग के दौरान उन्होंने इसी स्टेडियम में बॉल-बॉय की भूमिका भी निभाई थी। उस समय शायद ही किसी ने सोचा होगा कि एक दिन यही युवा खिलाड़ी भारतीय हॉकी के सबसे प्रभावशाली खिलाड़ियों में शामिल होगा और 200 अंतरराष्ट्रीय मैचों का आंकड़ा छुएगा। एक युवा प्रशिक्षु से लेकर 200 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाले खिलाड़ी तक का उनका सफर उनकी मेहनत, लगन, संघर्ष और खेल के प्रति समर्पण को दर्शाता है। वर्ष 2018 में सीनियर अंतरराष्ट्रीय हॉकी में पदार्पण करने के बाद से ही हार्दिक भारतीय टीम के मिडफील्ड का अहम हिस्सा रहे हैं। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की कई ऐतिहासिक उपलब्धियों में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। हार्दिक टोक्यो ओलंपिक 2020 और पेरिस ओलंपिक 2024 में लगातार दो कांस्य पदक जीतने



फोटो क्रेडिट: हॉकी इंडिया

वाली भारतीय टीम का हिस्सा रहे। इसके अलावा उन्होंने हांगझोऊ एशियाई खेल 2023 और जापान में 2026 के एशियाई खेलों में भारत को स्वर्ण पदक दिलाने में भी अहम भूमिका निभाई। वर्ष 2022 में बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में रजत पदक जीतने वाली टीम में भी वह शामिल थे। उनके पदकों की सूची में वर्ष 2018 और 2023 की एशियन चैंपियंस ट्रॉफी के स्वर्ण पदक, 2021 के संस्करण का कांस्य पदक और 2025 एशिया कप का स्वर्ण पदक भी शामिल है।

भारतीय हॉकी में उनके शानदार योगदान को देखते हुए हार्दिक को वर्ष 2021 में अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। वहीं, वर्ष 2023 में उन्हें एफआईएच प्लेयर ऑफ द ईयर भी चुना गया। जिस मैदान से हार्दिक ने हॉकी का सफर शुरू किया था, उसी मैदान पर 200 अंतरराष्ट्रीय मैच पूरे करना उनके लिए एक यादगार उपलब्धि बन गई है। यह मुकाम न केवल उनकी खेल उपलब्धियों का जश्न है, बल्कि उस संघर्षपूर्ण सफर को भी सम्मान देता है, जिसने उन्हें भारतीय हॉकी के अग्रणी मिडफील्डरों में शामिल किया है।

हॉकी इंडिया के अध्यक्ष डॉ. दिलीप टिर्की ने कहा, 'हार्दिक सिंह को 200 सीनियर अंतरराष्ट्रीय मैच पूरे करने पर हार्दिक बधाई। यह भारतीय हॉकी के लिए गर्व का क्षण है और टीम के प्रति उनके समर्पण, निरंतर शानदार प्रदर्शन और महत्वपूर्ण योगदान का प्रमाण है। मैं उनके उज्ज्वल भविष्य और आगे की सफलताओं की कामना करता हूं।'

वहीं, हॉकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह ने भी हार्दिक को बधाई दी। उन्होंने कहा, "200 अंतरराष्ट्रीय मैच पूरे करना एक शानदार उपलब्धि है और भारतीय हॉकी के प्रति अपनी प्रतिबद्धता तथा योगदान के लिए हार्दिक वास्तव में इस सम्मान के हकदार हैं। पिछले कई वर्षों में उन्होंने खुद को भारतीय मिडफील्ड का एक महत्वपूर्ण खिलाड़ी साबित किया है। ओलंपिक, एशियाई खेलों और अन्य बड़े टूर्नामेंटों में भारत की सफलता में उनकी अहम भूमिका रही है। जिस मोहाली में उन्होंने अपने हॉकी सफर की शुरुआत की थी, उसी मैदान पर यह उपलब्धि हासिल करना इस अवसर को और भी खास बनाता है। हम उनके भविष्य में ऐसी ही कई उपलब्धियों और सफलताओं की कामना करते हैं।"

सेफ स्कूल वाहन पॉलिसी के तहत 38 स्कूली बसों की जांच, 13 के चालान

• **जालंधर ब्रीज.** होशियारपुर

स्कूली बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से पंजाब राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग की ओर से जारी दिशा-निर्देशों तथा डिप्टी कमिश्नर के आदेशों के तहत 4 नवंबर को ब्लॉक माहिलपुर में सेफ स्कूल वाहन पॉलिसी के अंतर्गत स्कूली बसों की विशेष जांच की गई। इस अभियान के दौरान संत बाबा हरी सिंह मॉडल स्कूल माहिलपुर, दिल्ली इंटरनेशनल स्कूल जूनियर विंग माहिलपुर तथा दोआबा पब्लिक स्कूल माहिलपुर की बसों सहित जिले में कुल 38 स्कूली बसों की जांच की गई। जांच के दौरान नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर 13 बसों के चालान काटे गए।



जांच के दौरान कुछ बसों में एक्सपायरी डेट वाली फर्स्ट एड किट, अग्निशमन यंत्रों की कमी, स्टॉप साइन का न होना, सीसीटीवी कैमरे की अनुपलब्धता तथा शीशों में दरारें जैसी कमियां पाई गईं। टीम द्वारा विभिन्न स्कूलों में सेफ स्कूल वाहन पॉलिसी के प्रावधानों के बारे में जागरूक भी किया गया। जिला बाल सुरक्षा अधिकारी डॉ. हरप्रीत कौर ने कहा कि सेफ स्कूल वाहन पॉलिसी के नियमों का पालन न करने वाली बसों में सफर करने वाले बच्चों की सुरक्षा को खतरा हो सकता है। उन्होंने सभी स्कूल प्रबंधनों को निर्देश दिए कि बसों के चालकों का समय-समय पर मेडिकल चेकअप करवाया जाए तथा बस चालकों और अटेंडेंट के लिए निर्धारित यूनिफॉर्म पहनना अनिवार्य सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि छोटे बच्चों की बस में चढ़ते और उतरते समय विशेष देखभाल की जाए तथा उन्हें सड़क पार करवाते समय पूरी सावधानी बरती जाए। जांच के दौरान पाई गई सभी कमियों को तुरंत दूर करने के निर्देश भी दिए गए।

इस अवसर पर जिला बाल सुरक्षा यूनिट की ओर से रणजीत कौर और गुरजोत सिंह, पुलिस विभाग से सुखविंदर सिंह तथा शिक्षा विभाग से हरजिंदर पाल सिंह सहित पूरी टीम उपस्थित रही। टास्क फोर्स ने स्पष्ट किया कि बच्चों की सुरक्षा के मद्देनजर यह जांच अभियान पूरे जिले में लगातार जारी रहेगा और सेफ स्कूल वाहन पॉलिसी के नियमों का उल्लंघन करने वाले स्कूलों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

जालंधर कमिश्नरेट पुलिस की अवैध रूप से पटाखों के भंडारण और बिक्री के खिलाफ सख्त कार्रवाई



जालंधर (जालंधर ब्रीज). पुलिस कमिश्नर जालंधर सतिंदर सिंह, आईपीएस एवं एडीसीपी-दो माधवी शर्मा के दिशा-निर्देशों एवं देखरेख में 5 नवंबर 2026 को एसीपी वेस्ट आतिश भाटिया, पीपीएस के नेतृत्व में थाना बस्ती बावा खेल के एसएचओ तथा पुलिस चौकी लेदर कॉम्प्लेक्स के इंचार्ज द्वारा छापेमारी की गई। अवैध रूप से पटाखों के भंडारण और बिक्री के खिलाफ कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने लेदर कॉम्प्लेक्स रोड स्थित गंदा नाला के पास एक रिहायशी मकान में छापा मारा। जांच के दौरान पाया गया कि पांच कमरों वाले मकान के एक कमरे में सुखविंदर सिंह द्वारा बिना किसी अनुमति के अवैध रूप से पटाखे रखे गए थे।

पुलिस ने मौके से अवैध रूप से रखे गए पटाखों को अपने कब्जे में ले लिया है तथा संबंधित व्यक्ति के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

जालंधर कमिश्नरेट पुलिस आम जनता की सुरक्षा सुनिश्चित करने और रिहायशी इलाकों में आगजनी जैसी घटनाओं को रोकने के लिए अवैध रूप से पटाखों के भंडारण एवं बिक्री के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के लिए प्रतिबद्ध है।

ग्रामीण महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए 100 एसएचजी द्वारा संचालित कैंटीन शुरू की जाएंगी: चीमा



चंडीगढ़ (जालंधर ब्रीज). भगवंत मान सरकार राज्य के प्रमुख सार्वजनिक संस्थानों में स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) द्वारा संचालित 100 कैंटीन शुरू कर रही है। इस पहल का उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं के लिए रोजगार के स्थायी अवसर पैदा करना और आम नागरिकों को सस्ता, स्वच्छ, घर जैसा तथा पौष्टिक भोजन उपलब्ध करवाना है। इसके साथ ही मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान द्वारा महिला दिवस समारोहों के दौरान किया गया एक महत्वपूर्ण वादा भी पूरा होता है। इस ऐतिहासिक परियोजना का उद्घाटन करते हुए और इस पहल का विस्तृत विवरण साझा करते हुए वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने कहा, 'मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के दूरदर्शी नेतृत्व में राज्य स्तरीय यह पहल सामाजिक-आर्थिक बदलाव का एक सशक्त माध्यम बनेगी। राज्य सरकार और पंजाब राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन द्वारा पंजाब रोडवेज के बस स्टैंडों, तहसीलों, डी.सी. और एम.सी. कार्यालयों, विभागीय मुख्यालयों तथा राज्य भर के प्रमुख सार्वजनिक संस्थानों में स्वयं सहायता समूहों द्वारा संचालित 100 कैंटीन स्थापित की जा रही हैं।'

पेंशनरों के लिए 31 दिसंबर, 2026 तक आधार आधारित ई-केवाईसी अनिवार्य

चंडीगढ़ (जालंधर ब्रीज). वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने आज पेंशनर सेवा पोर्टल (पी.एस.पी.) के तहत कई नई डिजिटल पहलों की घोषणा की, जिनमें सभी पंजीकृत निवासी पेंशनरों के लिए 31 दिसंबर, 2026 तक आधार आधारित ई-केवाईसी अनिवार्य करना तथा एनआरआई पेंशनरों के लिए एक समर्पित व्हाट्सएप चैटबॉट सुविधा शुरू करना शामिल है। 1 नवंबर, 2025 को शुरू किए गए इस पोर्टल की अभूतपूर्व सफलता पर प्रकाश डालते हुए वित्त मंत्री ने कहा कि इस प्लेटफॉर्म ने 3 लाख से अधिक पेंशन रिकॉर्ड को डिजिटल रूप दिया है, लगभग 3 लाख डिजिटल जीवन प्रमाण पत्रों की सुविधा प्रदान की है और करीब 12,000 करोड़ रुपये के पेंशन भुगतानों की प्रक्रिया पूरी की है। इससे पेंशन प्रणाली अधिक पारदर्शी, कुशल और सुलभ बन गई है।

'साडे बुज़ुर्ग, साडा मान' के तहत कैंप में 150 बुज़ुर्गों ने लिया लाभ



जालंधर (जालंधर ब्रीज). पंजाब सरकार द्वारा बुज़ुर्गों की भलाई के लिए शुरू की गई पहल 'साडे बुज़ुर्ग, साडा मान' के तहत समाजिक सुरक्षा, स्त्री एवं बाल विकास विभाग द्वारा ज़िला प्रशासन के सहयोग से लगाए जा रहे स्वास्थ्य सेवाओं संबंधी कैंपों की श्रृंखला के अंतर्गत आज सी.एच.सी. आदमपुर में कैंप लगाया गया।

ज़िला समाजिक सुरक्षा अधिकारी रविंदर सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि पंजाब सरकार के इस उपक्रम के तहत ज़िले में विभिन्न स्थानों पर विशेष कैंप लगाए जा रहे हैं, जिनमें स्वास्थ्य जांच के अलावा बुज़ुर्गों को कानूनी सहायता, वित्तीय साक्षरता आदि के बारे में भी जागरूक किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि सीएचसी आदमपुर में लगाए गए स्वास्थ्य सेवाओं संबंधी कैंप में करीब 150 बुज़ुर्गों ने लाभ लिया। उन्होंने बताया कि कैंप के दौरान बुज़ुर्गों को कानूनी सहायता और वित्तीय साक्षरता आदि के बारे में भी जानकारी दी गई। उन्होंने कहा कि बुज़ुर्ग हमारे समाज की कीमती संपत्ति हैं, जिनकी देखभाल करना हम सबकी नैतिक ज़िम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार के इस उपक्रम का उद्देश्य बुज़ुर्गों को आसान स्वास्थ्य सुविधाएं, समाजिक सुरक्षा और सम्मान देना है।

1,000 विद्यार्थियों को यूपीएससी और पीसीएस की मुफ्त कोचिंग दी जाएगी

चंडीगढ़ (जालंधर ब्रीज). पंजाब भर के विद्यार्थियों के लिए सिविल सेवाओं की तैयारी को सुलभ बनाने के उद्देश्य से



भगवंत मान सरकार द्वारा राज्य के 1,000 कॉलेज विद्यार्थियों को केंद्रीय लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) सिविल सेवा परीक्षा और पंजाब सिविल सेवा (पीसीएस) परीक्षाओं के लिए पूरी तरह मुफ्त ऑनलाइन कोचिंग उपलब्ध करवाई जाएगी। उच्च शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह बैंस के नेतृत्व में शुरू किए जा रहे इस कार्यक्रम के तहत सरकारी कॉलेजों के 750 और निजी कॉलेजों के 250 विद्यार्थियों को कवर किया जाएगा। बैंस ने कहा कि राज्य सरकार 'रंगला पंजाब' बनाने की दिशा में 'पंजाब शिक्षा क्रांति' के विजन का उच्च शिक्षा और रोजगार के अवसरों तक विस्तार कर रही है। यह क़दम उन वित्तीय और अन्य बाधाओं को दूर करेगा, जिनके कारण अक्सर प्रतिभाशाली विद्यार्थी, विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों से संबंधित युवा सिविल सेवाओं की मानक कोचिंग लेने से वंचित रह जाते थे।

दोआबा के लिए दीवाली का बड़ा तोहफा

सरकार द्वारा एसबीएस नगर में मेडिकल कॉलेज के लिए एलओआई जारी

चंडीगढ़ (जालंधर ब्रीज). पंजाब के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान मंत्री डॉ. बलबीर सिंह ने वीरवार को बताया कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार ने राज्य के लोगों, विशेष रूप से दोआबा क्षेत्र के निवासियों को 'दीवाली का ऐतिहासिक तोहफा' देते हुए शहीद भगत सिंह (एस.बी.एस.) नगर में एक अत्याधुनिक मेडिकल कॉलेज और टीचिंग हॉस्पिटल बनाने के लिए 'लेटर ऑफ इंटेंट' (एलओआई) जारी करके एक और बड़ा वादा पूरा किया है। पंजाब विधानसभा के डिप्टी स्पीकर जय कृष्ण सिंह रौड़ी और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के प्रमुख सचिव कुमार राहुल के साथ पंजाब भवन में प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए डॉ. बलबीर सिंह ने बताया कि पंजाब इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट बोर्ड (पीआईडीबी) ने 'पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप' (डिज़ाइन, निर्माण, वित्त, संचालन और हस्तांतरण - डीबीएफओटी) मॉडल के तहत 'मेसर्ज़ इंडस सुपर स्पेशलिटी हेल्थकेयर प्राइवेट लिमिटेड' को यह प्रोजेक्ट सौंपा है। इस अवसर पर रूपनगर से विधायक दिनेश चड्ढा और नवांशहर हल्के के इंचार्ज



जसप्रीत सिंह रॉबी कंग भी मौजूद थे।

डॉ. बलबीर सिंह ने बताया कि इस प्रोजेक्ट में लगभग 160 करोड़ रुपये का निवेश शामिल है। इसके तहत नवांशहर में मौजूद 150 बिस्तरों वाले जिला अस्पताल को 'नेशनल मेडिकल कमीशन' (एनएमसी) के मानदंडों के अनुसार अपग्रेड करके 220 बिस्तरों वाला टीचिंग हॉस्पिटल बनाया जाएगा, जिसमें अकादमिक और आवासीय बुनियादी ढांचा भी शामिल होगा। इस कॉम्प्लेक्स में 30 बिस्तरों वाली एक उन्नत 'सुपर-स्पेशलिटी कार्डियक केयर यूनिट' भी होगी, जो एंजियोग्राफी और एंजियोप्लास्टी के लिए एक 'कैथीटेराइजेशन लेबोरेटरी' (कैथ लैब) इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजी सुविधाओं से लैस होगी।

मोहिंदर भगत ने शहर में लाइटिंग प्रोजेक्ट का किया उद्घाटन



जालंधर (जालंधर ब्रीज). पंजाब के बागवानी, स्वतंत्रता सेनानी और रक्षा सेवाएं कल्याण मंत्री मोहिंदर भगत द्वारा जालंधर पश्चिमी हल्के में तिरंगे रंगी स्ट्रीट लाइटों के विशाल प्रोजेक्ट का उद्घाटन किया। इस पहल का उद्देश्य हल्के के मुख्य मार्गों को रोशन करना है, ताकि दिवाली से पहले खुशी और उत्सव वाला माहौल बन सके। इस अवसर पर बोलते हुए कैबिनेट मंत्री ने इलाके के निवासियों को दिवाली की नर्म बधाइयां दी और मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान की दूरदर्शितापूर्ण नेतृत्व की सराहना की, जिनके मार्गदर्शन में पूरे प्रदेश में सड़कों, सीवरेज प्रणाली, आधुनिक सरकारी स्कूलों और अस्पतालों सहित हर क्षेत्र में विकास की लहर चल रही है। प्रोजेक्ट के बारे में जानकारी देते हुए कैबिनेट मंत्री ने बताया कि बबरिक चौक से गुजरात चौक, अवतार नगर रोड, बस्ती शेख रोड, कपूरथला रोड और 120-फुट रोड सहित कई प्रमुख हिस्सों में तिरंगे रंगी आकर्षक लाइटें लगाने के लिए लगभग 30 लाख रुपये खर्च किए गए है।

इंडिया-श्रीलंका का पहला वनडे विशाखापत्तनम शिफ्ट

टी20 और वनडे घरेलू सीरीज का आगाज 13 दिसंबर से

नई दिल्ली. श्रीलंका के खिलाफ भारत की आगामी घरेलू सीरीज का पहला वनडे मैच दिल्ली से विशाखापत्तनम स्थानांतरित कर दिया गया है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने गुरुवार को इस बदलाव की पुष्टि की। 13 दिसंबर को होने वाला यह मैच, जो पहले अरुण जेटली स्टेडियम में खेला जाना था, अब विशाखापत्तनम के एसीए-वीडीसीए क्रिकेट स्टेडियम में आयोजित होगा।

डीडीसीए ने बीसीसीआई से संपर्क करके वेन्यू बदलने का अनुरोध किया था। उन्होंने बताया कि दिसंबर में दिल्ली में होने वाले इस अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान, स्टेडियम में चल रहे नवीनीकरण कार्यों और खराब मौसम की संभावनाओं के कारण वे इस मैच की मेजबानी करने में असमर्थ हैं। एसोसिएशन को चिंता थी कि अरुण जेटली स्टेडियम में चल रहे काम और मौसम की वजह से आ सकने वाली रुकावटों के कारण, मैच के आयोजन में दिक्कतें आ सकती हैं। इसके बाद बीसीसीआई ने इस अनुरोध को मान लिया और सीरीज के पहले मैच के लिए विशाखापत्तनम को नया वेन्यू तय कर दिया।

दिसंबर 2026 में भारत के दौरे पर श्रीलंका की टीम तीन वनडे और तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलेगी। पहले वनडे को विशाखापत्तनम शिफ्ट कर दिया गया है, जबकि बाकी पांच मैच पहले से तय जगहों पर ही खेले जाएंगे। तीन मैचों की वनडे सीरीज 13 दिसंबर से शुरू होगी, जिसके बाद 22 दिसंबर से टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज खेली जाएगी।

जिला रेड क्रॉस सोसायटी ने विद्यार्थियों को प्राथमिक सहायता



जालंधर (जालंधर ब्रीज). जिला रेड क्रॉस सोसायटी द्वारा डिप्टी कमिश्नर वरजीत वालिया के नेतृत्व में स्थानीय रेड क्रॉस भवन में जिले के विभिन्न स्कूलों एवं कॉलेजों के करीब 190 विद्यार्थियों को प्राथमिक सहायता, सी.पी.आर. एवं आपदा प्रबंधन संबंधी प्रशिक्षण मुहैया करवाया गया। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य विद्यार्थियों को अप्रिय घटना या प्राकृतिक आपदा के समय सुरक्षा संबंधी जरूरी जानकारी देना था ताकि ऐसे समय में जख्मी व्यक्तियों की मदद की जा सके।

यूआईडीएआई ने 300 ऑफलाइन सत्यापन चाहने वाली संस्थाओं को ऑनबोर्ड किया

नई दिल्ली (जालंधर ब्रीज). लोगों के बीच आधार ऐप के बढ़ते उपयोग को देखते हुए, यूआईडीएआई ने जनवरी में इसके लॉन्च के बाद से 300 ऑफलाइन सत्यापन चाहने वाली संस्थाओं (ओवीएसई) को अपने साथ जोड़ा है। यह होटलों, आतिथ्य सत्कार, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, इवेंट, गिग अर्थव्यवस्था और उपभोक्ताओं को सीधे सेवाएं प्रदान करने वाली कंपनियों सहित विभिन्न सेक्टरों में आधार-आधारित ऑफ़लाइन सत्यापन के उपयोग का विस्तार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह उपलब्धि आधार ऑफलाइन सत्यापन तंत्र के माध्यम से सुरक्षित, सहमति-आधारित और कागज रहित सत्यापन को सक्षम बनाने में एक महत्वपूर्ण प्रगति का प्रतीक है- जो सेवा प्रदाताओं और लोगों को समान रूप से सशक्त बनाती है।

इन ओवीएसई भागीदारों का शामिल होना आधार-सक्षम, गोपनीयता-प्रथम डिजिटल सत्यापन ढांचों में बढ़ते विश्वास को दर्शाता है जो डीपीडीपी अधिनियम के प्रावधानों के अनुरूप पहुंच में सरलता और डेटा में कमी सुनिश्चित करते हुए उपयोगकर्ता नियंत्रण को प्राथमिकता देते हैं। लोगों के स्मार्टफोन पर आवश्यक सेवाएं उपलब्ध कराकर और ऑफलाइन सत्यापन के लिए संस्थागत इकोसिस्टम का विस्तार करके, यूआईडीएआई लोगों के साथ-साथ संगठनों के लिए भी डिजिटल पहचान के अनुभव को मजबूत कर रहा है।

आधार ऐप की लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है और अब तक इसे लगभग 7.5 करोड़ बार डाउनलोड किया जा चुका है। इसकी बढ़ती लोकप्रियता इस बात को रेखांकित करती है कि यह भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण और लोगों के बीच एक महत्वपूर्ण डिजिटल इंटरफ़ेस के रूप में अपनी भूमिका निभा रहा है। इससे आधार नंबर धारक अपने स्मार्टफोन के माध्यम से आधार से संबंधित विभिन्न सेवाओं का सरलता से लाभ उठा सकते हैं।

Printed, Published & Owner by ATUL SHARMA & Printed at DB Corp Ltd, J7 NEAR BUS STAND SUBHANPUR (HAMIRA), KAPURTHALA, PUNJAB - 144808, and Published from ATUL SHARMA, NN453 GOPAL NAGAR JALANDHAR (PUNJAB)
Editor : ATUL SHARMA*
*Responsible for selection of News under the PRB ACT. PUNHIN/2019/77863, All Rights Reserved. Reproduction in whole or in Part without permission is prohibited. All disputes shall be settled at Jalandhar jurisdiction only.